दैनिक भास्कर
जयपुर, शनिवार 29 दिसंबर, 2007

वक्त आएगा ग्लोबल पोजिशनिंग का

अजय डाटा

आगे का अंदाज

आने वाले 11 वर्ष राजस्थान में तकनीक के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन लाएंगे। मोबाइल सर्विस, इंटरनेट और नेटवर्किंग में यह सबसे ज्यादा दिखेगा। पिछला दशक मोबाइल का था और अगला दशक ग्लोबल पॉजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) का होगा। अगले दशक में जीपीएस हमारी बड़ी जरूरत बना जाएगा।

स्पीड बढ़ेगी इंटरनेट की

मुझे लगता है कि कुछ वर्षों में हमें मोबाइल फोन खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सर्विस प्रोवाइडर ही मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराना शुरू कर देंगे। मोबाइल कॉल रेट जो लगातार गिर रही है, कुछ वर्षों में स्थिर हो जाएगी। विदेशों में ऐसा प्रयोग सफल रहा है। तब दरें प्रति मिनट न होकर प्रति कॉल होंगी, फिर चाहें जितनी देर बात करें। पिछले दशक में इंटरनेट अजूबा था, जो आज रोजमर्रा के काम में उपयोग हो रहा है। अगले दशक में इंटरनेट की स्पीड को लेकर काफी बदलाव होंगे। आने वाले 11 वर्षों में वीडियो अनेबल्ड मोबाइल फोन भी बाजार में आ जाएंगे, जिससे बातचीत के साथ व्यक्ति का चेहरा भी देखा जा सकेगा।

राहें तलाशेगा जीपीएस

अगला दशक तकनीक के क्षेत्र में नई राहें खोलेगा। रास्ता तलाशने के लिए गाड़ी रोककर राहगीरों से पूछने की जरूरत नहीं होगी। कुछ वर्षों में ही कारों और मोबाइल में इन-बिल्ट जीपीएस मिलने लगेगा। मंजिल तक पहुंचने का समय, रास्ता और दूरी जीपीएस ही बताएगा।

पुलिस नहीं तकनीक काटेगी चालान

अगले 11 वर्षों में हर सड़क, हर चौराहे पर कैमरे लग जाएंगे। गलती की तो चालान बन कर डाक से आपके घर पहुंच जाएगा। साथ ही एफआईआर का पूरा सिस्टम ही बदल जाएगा। थानों की पूरी जानकारी तो ऑनलाइन होना शुरू भी हो चुकी है।

इलेक्ट्रॉनिक कनेक्टिविटी बनाएगी स्मूथ लाइफ

11 वर्षों में घरों में बायो मेट्रिक्स की सहायता से विदेशों की तर्ज पर घर जाने पर मालिक के अलावा दूसरा कोई भी प्रवेश नहीं कर पाएगा। घर जाने से पहले ही सॉफ्टवेयर की मदद से एयरकंडीशनर या माइक्रोवेव चालू किया जा सकेगा। अगले 11 साल तकनीक के क्षेत्र में पाथब्रेकिंग होंगे।

(लेखक आईटी क्षेत्र में लंबे समय से जुड़े हैं और डाटा इन्फोसिस के सीईओ हैं)